तर्ज--ढपली वाले ढपली बजा

पंजे वाले हमको बचा,माया में फंसे है हम -आ
तू माया से छुड़ा
1--मैं तेरी अंगना,तू मेरा प्रीतम
कैसे रंहू बिन तेरे
ले के चलो अब घर को पिया जी
कब तक लगाओगे फेरे
तू रखे या छोड़े,ओ पिया मेरे
हम तो है तेरे सहारे
2--तेरी इस वाणी से,वाणी की रवानी से
आन्नद आने लगा है
वाणी के रस्ते तू रफ्ते रफ्ते हमको जगाने लगा है
रूहों को जगाओ,वाणी पिलाओ
कहां है वो धाम वाले
3--वायदे किये थे धाम में हमने,
वो सब याद रहे ना
नीदं थी ऐसी क्या कहूं कैसी,
आपकी सुध भी रही ना
गुनाहो के मेरे बख्शो पिया जी,
तुम ही तो हो प्राण प्यारे

Nijanand App